

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

June, 2013

03818

**MES-051 : PHILOSOPHICAL AND
SOCIOLOGICAL PERSPECTIVES**

Time : 3 Hours

Maximum Weightage : 70%

Note : All questions are compulsory. All questions carry equal weightage.

1. Answer the following question in about 600 words :

Discuss the political characteristics of modern education system in India. Give examples of procedural hurdles that restrict access and opportunity in education.

OR

Discuss the characteristics of modernisation and globalisation and their linkages with education with suitable examples.

2. Answer the following question in about 600 words :

Explain structural-functional and conflict theory approaches for understanding social change. Discuss the role played by education in social change with reference to Indian context.

OR

Discuss the relationship between philosophy and education. Explain the logical structure and functions of educational theory.

3. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each :

- (a) Compare the nature and characteristics of philosophy with fields of inquiry of science and religion.
- (b) Explain the concept of truth with suitable examples.
- (c) Discuss the role of education in social and cultural reproduction.
- (d) Explain Dewey's view that experience is education.
- (e) Discuss the concept of positive discrimination in the context of educational development in India.
- (f) Explain the role of school as an agent of socialisation.

4. Answer the following question in about **600** words :

Critically examine if the educational views of Modern Indian thinkers were influenced by ancient Indian philosophical thoughts.

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

एम.ई.एस.-051 : दार्शनिक एवं समाज
शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

भारत में आधुनिक शिक्षा पद्धति की राजनीतिक विशेषताओं की चर्चा कीजिए। उन प्रक्रियात्मक/कार्यविधिक (procedural) रुकावटों बाधाओं (hurdles) के उदाहरण दीजिए जो शिक्षा में अभिगम्यता (access) और अवसर को सीमित प्रतिबन्धित (restrict) करती हैं।

अथवा

आधुनिकीकरण और वैश्वीकरण की विशिष्टताओं और शिक्षा के साथ उनके संयोजन/संलग्नता (linkage) की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
- सामाजिक परिवर्तन को समझने के लिए संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक (structural-functional) और द्वन्द्व सिद्धान्त उपागमों (conflict theory approaches) की व्याख्या कीजिए। भारतीय सन्दर्भ में सामाजिक परिवर्तन में शिक्षा द्वारा अदा की गई भूमिका की चर्चा कीजिए।

अथवा

दर्शन और शिक्षा में सम्बन्ध की चर्चा कीजिए। तार्किक संरचना और शैक्षिक सिद्धान्त के प्रकार्यों की व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) के उत्तर दीजिए :
- (a) विज्ञान और धर्म की परिपृच्छा (inquiry) के क्षेत्रों सहित दर्शन की प्रकृति और विशिष्टताओं की तुलना कीजिए।
- (b) 'सत्य' की संकल्पना की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा व्याख्या कीजिए।
- (c) सामाजिक एवं सांस्कृतिक पुनरुत्पादन (reproduction) में शिक्षा की भूमिका की चर्चा कीजिए।
- (d) 'अनुभव शिक्षा है' डीवी (Dewey) के इस विचार की व्याख्या कीजिए।

- (e) भारत में शैक्षिक विकास के सन्दर्भ में सकारात्मक विभेदन (Discrimination) की संकल्पना की चर्चा कीजिए।
- (f) सामाजीकरण के एक अभिकर्ता (Agent) के रूप में विद्यालय की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
- “यदि आधुनिक भारतीय विचारकों के शैक्षिक विचार प्राचीन भारतीय दार्शनिक विचारों से प्रभावित हुए होते”। समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।
-